अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2016) | दिनांक 20.12.2016

छठा वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

गतागत – 40

प्र.1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें – कितनी व कहाँ–कहाँ से है? 24

(क) पृथ्वी, पानी एवं वनस्पति के जीवों की आगति।

(ख) चौथी नरक के जीवों की आगति।

(ग) ज्योतिष्क एवं प्रथम देवलोक में आगति व गति।

(घ) असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय में आगति व गति।

(ङ) संज्ञी मनुष्य में आगति व गति।

(च) केवलज्ञानी में आगति व गति।

(छ) औदारिक शरीर में आगति व गति।

(ज) साधु में आगति व गति।

(झ) विभंग अज्ञान में आगति व गति।

(ञ) पद्म लेश्या वाले पद्म लेश्या में जाएं तो आगति व गति।

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें – 16

(क) बलदेव, वासुदेव तथा प्रतिवासुदेव में आगति व गति कितनी व कहाँ से है?

(ख) जम्बू द्वीप में तिर्यंच के कितने व कौनसे भेद पाते हैं?

(ग) 51 जाति के देव कौनसे हैं? उनमें आगति व गति कितनी व कहाँ–कहाँ से है?

(घ) सम्यक् दृष्टि में गति व आगति कितनी व कहाँ से है?

(ङ) तिर्यंच के कुल कितने व कौनसे भेद होते हैं?

(च) संज्ञी तथा असंज्ञी मनुष्य के कुल कितने भेद हैं एवं किस प्रकार से हैं?

कायस्थिति – 40

प्र.3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें – जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अन्तर लिखें। 30

(क) तिर्यंच (ख) एकेन्द्रिय (ग) बादर पृथ्वी, अप्, तेजस, वायु, प्रत्येक शरीरी वनस्पति

(घ) नपुंसक वेदी (ङ) स्त्री वेदी (च) सम्यक् दृष्टि (छ) कृष्ण लेश्यी (ज) श्रुतज्ञानी

(झ) संयतासंयति (ञ) संज्ञी (ट) अवधिदर्शनी (ठ) कायस्थिति किसे कहते हैं, उदाहरण सहित समझाएँ।

प्र.4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 10

(क) पर्याप्त लब्धि उत्कृष्टतः कितने समय तक रह सकती है?

(ख) काय अपरीत जीव कौनसे होते हैं?

(ग) केवली समुद्घात के कौनसे समय में जीव अनाहारक होता है?

(घ) छद्मस्थ के साकार उपयोग का कालमान कितना है?

(ङ) सामायिक तथा छेदोपस्थापनीय चारित्र की जघन्य कायस्थिति एक समय किस अपेक्षा से कही गयी है?

(च) तेजोलेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति किस अपेक्षा से कही गयी है?

(छ) कितने प्रकार के परावर्तन करने पर एक पुद्गल परावर्तन होता है?

(ज) तिर्यंच की एक भवस्थिति उत्कृष्टतः कितनी हो सकती है?

(झ) प्रत्येक सौ सागर से आप क्या समझते हैं?

(ञ) अपर्याप्त अवस्था में जीव लगातार कितने समय तक भव कर सकता है?
(ट) बादर भाव पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?
(ठ) प्रथम तथा द्वितीय देवलोक की अपरीगृहीत देवियों की स्थिति कितनी है?

गीतिका (पांचोंवर्ष की) – 20

प्र.5 किन्हीं तीन पद्यों को अर्थ सहित लिखें – 12

(क) ''देव गुरु.....रो मर्म''। (ख) ''घणानीं लज्जा.....दान ए''।
(ग) ''सेवाये इविरत.....में ए''। (घ) ''मोह कर्म टूटो.....समाधो रे''।
(ङ) ''हय रूप.....पंचमो जोय''।

प्र.6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें – 8

(क) कौनसे आगमों में ग्यारहवे, बारहवें और तेरहवें गुणस्थान में ईर्यापथिक बंध बताया है?
(ख) ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, अन्तराय कर्म के क्षयनिष्पन्न भाव से जीव को क्या उपलब्ध होता है?
(ग) श्रावक को रत्नों की खान किसकी अपेक्षा से कहा गया है?
(घ) गर्व दान किसे कहते हैं?
(ङ) शुद्ध आचार का पालन कर मिथ्यात्वी जीव कहाँ तक ऊपर जा सकता है?
(च) नियंठा दिग्दर्शन ढ़ाल की रचना कब व कहाँ हुई?